



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
(EXTRAORDINARY)

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 144]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 8, 1995/श्रावण 17, 1917

No. 144]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 8, 1995/SRAVANA 17, 1917

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1995

विषय:—चीन जनवादी गणराज्य मूल के पोटाशियम परमाणु के आयात संबंधी पाटनरोधी जांच—अन्तिम निष्कर्ष।

सं. 46/ए डी डी/94—वर्ष 1982 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं पर शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क की पहचान, मूल्यांकन तथा संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1985 को ध्यान में रखते हुए;

क्रियाविधि

1. नीचे वर्णित क्रियाविधि का अनुपालन किया गया है;

- (i) विनिर्दिष्ट अधिकारी को उपर्युक्त नियमों के अन्तर्गत 25-11-94 को मैसर्स यूनिवर्सल कैमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज प्रा. लि., 5070 रहेजा सेंटर, 214, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-400021, से लिखित शिकायत प्राप्त हुई है जिसमें चीन जनवादी

गणराज्य मूल के पोटाशियम परमाणु के डंपिंग का आरोप लगाया गया है।

- (ii) विनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित दिनांक 30-12-94 की सार्वजनिक सूचना द्वारा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के शीर्षक 2841.60 के तहत तथा भारत व्यापार बर्गीकरण (सुमेहित वस्तु विवरण तथा कोडिंग प्रणाली पर आधारित) के तहत शीर्षक 2841.60.01 के अधीन आने वाले चीन जनवादी गणराज्य मूल के पोटाशियम परमाणु के आयात के संबंध में पाटनरोधी कार्यवाही शुरू किये जाने की घोषणा की थी।

- (iii) विनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने संबंधित ज्ञात निर्यातकों तथा आयातकों, निर्यात देशों के प्रतिनिधियों और शिकायतकर्ता को धुक्क शुरुआत के बारे में सरकारी तौर पर सूचना दे दी थी तथा उन्हें इस बात के लिये मौका दिया कि वे अधिसूचना की तारीख से 40 दिन के भीतर अर्थात् 8-2-95 तक लिखित रूप में अपने-अपने विचार

प्रकट करें तथा मौखिक सुनवाई के लिये अनुरोध करें।

(iv) विनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने निम्नलिखित निर्यातकों से संगत जानकारी प्राप्त करने के लिये उन्हें प्रश्नावली भेजी थी:—

(क) मैसर्स चाईना नेशनल कैमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कारपोरेशन, बीजिंग, चाईना

(ख) मैसर्स गुंगा डोंग कैमिकल्स एंड इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कारपोरेशन, गुआन्तू, चाईना

(v) जांच आरंभ किये जाने के बारे में चीन जनवादी गणराज्य के नई दिल्ली स्थित दूतावास को 2 जनवरी, 1995 को सूचित कर दिया गया था और अनुरोध किया गया था कि वे चीन के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें कि वे उनको भेजी गई प्रश्नावली का उत्तर दिनांक 11 फरवरी, 1995 तक भेज दें। निर्यातकों ने न तो प्रश्नावली का उत्तर भेजा और न ही वे दिनांक 24 फरवरी, 1995 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में ही उपस्थित हुए।

(vi) यह प्रश्नावली पोटेशियम परमेगनेट के निम्नलिखित आयातकों को भी भेजी गई:—

मैसर्स

(क) अजय मैटेकैम प्रा.लि., पूणे

(ख) आर्मर कैमिकल्स लि., बम्बई

(ग) अंसार एंड कंपनी, बम्बई

(घ) सी एम सी कारपोरेशन, बम्बई

(ङ) यू.एम. विटामिन्स लि., बम्बई

(च) स्पार्कलिग ट्रेडर्स प्रा.लि., बम्बई

(छ) जेटमन्स, थाणे

(ज) सप्रोम इंडियन इन्टरनेशनल, बम्बई

(vii) जबकि जिन आयातकों को प्रश्नावली भेजी गई थी उनमें से एक आयातक ने सूचना दी थी कि उसने जांच की अवधि के दौरान पोटेशियम परमेगनेट का आयात नहीं किया था, दूसरे ने अधिसूचना/प्रश्नावली को पावती स्वीकार की थी। तथापि, किसी भी आयातक अथवा निर्यातक ने शुरुआत पाटनरोधी जांच करने की सूचना सहित उन्हें भेजी गई निर्धारित प्रश्नावली का कोई उत्तर नहीं दिया था।

(viii) निर्यातकों, आयातकों तथा याचिकाकर्ताओं को 24 फरवरी, 1995 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार व्यक्त करने का भी अवसर दिया गया था। उक्त सार्वजनिक सुनवाई में याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग तथा एक

आयातक मैसर्स स्पार्कलिग ट्रेडर्स (प्रा.) लि., बम्बई उपस्थित हुए थे।

(ix) 24 फरवरी, 1995 की सार्वजनिक सुनवाई में किये गये निवेदन लिखित रूप में लिये गये थे तथा अन्य पार्टियों को टिप्पणियों के लिये उपलब्ध कराये गये थे।

(x) प्राधिकारी ने निर्यातकों, आयातकों तथा याचिकाकर्ताओं को नये विनिर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा 30-5-1995 को भी की गई सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार व्यक्त करने का एक और अवसर दिया है। निर्यातकों और आयातकों में से किसी ने भी इस अवसर का लाभ नहीं उठाया। केवल याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग ही इस बैठक में उपस्थित हुए थे।

(xi) दिनांक 30-5-1995 को हुई सार्वजनिक बैठक में याचिकाकर्ता द्वारा लिखित निवेदन अन्य पार्टियों को उपलब्ध कराये गये।

(xii) विनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने आवश्यक सूचना की मांग की और उसका सत्यापन किया तथा इसके पश्चात् मैसर्स यूनिवर्सल कैमिकल एंड इंडस्ट्रीज प्रा.लि. के परिसर में जांच शुरू की गई। यह जांच 1 अप्रैल, 1993 से 30 सितम्बर, 1994 तक की अवधि के लिये की गई थी।

याचिकाकर्ता के विचार

2. सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने निम्नलिखित बिन्दुओं पर प्रकाश डाला—

(क) कि चीन जनवादी गणराज्य मूल के पोटेशियम परमेगनेट की निर्यात कीमत चीन में घरेलू बाजार में बेची जा रही कीमत तथा तृतीय देशों की निर्यात कीमत से कम थी,

(ख) कि चीन जनवादी गणराज्य मूल के पोटेशियम परमेगनेट के भारत में आयातों में तेजी से वृद्धि हुई है।

(ग) कि उन कीमतों पर चीन से किये गये आयातों से भारतीय उत्पादक को वास्तविक क्षति हो रही है और भारतीय उत्पादक को अपने उत्पादन/क्षमता उपयोग को कम करना पड़ा। घरेलू बिक्री में बिक्री कीमत में उनकी उत्पादन लागत से भी कम थी कमी होने के बावजूद, कमी हुई इससे नकदी में कमी आयी और भारी हानि हुई।

प्रतिवादी का विचार

3. आयातक, जो व्यापारी प्रतीत होता है डांग 24-2-95 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में व्यक्त किये गये विचार, जैसा कि सुनवाई के बाद भेजे गये आंकड़े लिखित निवेदनों में दिये गये हैं, संक्षेप में निम्नलिखित हैं :

(क) कि याचिकाकर्ता पोटेशियम परमेगनेट का एकाधिकार विनिर्माता है जिसका बाजार शेयर में लगभग 96% हिस्सा है।

(ख) कि प्रमुख कच्चे माल कार्बोसिक पोटाश की कीमत में अत्यधिक वृद्धि हुई है। यह बहुत अधिक वृद्धि ही प्रमुख हानि के लिये जिम्मेदार है।

(ग) कि कार्बोसिक पोटाश की कीमत में 1991 में 20,000 रु. प्रति मी. टन से बढ़कर अप्रैल, 1993 में, 44,292 रु. प्रति मी. टन हो गयी। बाद में यह कीमत अगस्त, 1994 में घटकर 37,000 रु. प्रति मी. टन और फरवरी, 1995 में 28,900 रु. प्रति मी. टन रह गई। इस वृद्धि के बावजूद, पोटेशियम परमेगनेट की कीमत जनवरी, 1994 में 64,000 रु. प्रति मी. टन से बढ़ कर फरवरी, 1995 में 70,000 रु. प्रति मी. टन हो गई। अतः आयातकों के कारण होने वाली क्षति के दावे न्यायसंगत नहीं हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

4. जैसा कि अपर्युक्त स्थानों पर वर्णित है, क्षति संबंधी पहलू का मूल्यांकन करते समय अपर्युक्त निवेदकों ध्यान में रखा जा है।

5. निर्यातकों से कोई भी उत्तर न मिलने पर नियम 14 सपरा के अनुसार विनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने उपलब्ध सूचना के आधार पर निष्कर्ष निकाले हैं। विनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने नोट किया कि न तो निर्यातक/निर्यातक देश के प्रतिनिधि अर्थात् चीन जनवादी गणराज्य सुनवाई में उपस्थित हुए और नही उन्होंने प्रस्तावली का उत्तर दिया और विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना अर्थात् याचिकाकर्ता द्वारा सप्लाई किये तथ्यों/आंकड़ों पर ही संतोष करना पड़ा।

विचाराधीन उत्पाद

6. पोटेशियम परमेगनेट (एक कार्बनिक रसायन) एक गहरे बैंगनी रंग का पाउडर/पदार्थ है और यह मैंगनीज, पोटेशियम तथा आक्सीजन का मिश्रण है। यह तकनीकी ग्रेड (97% शुद्धता) तथा शुद्ध ग्रेड (99% शुद्धता) में उपलब्ध है। पिय तथा अपरिणित जल के उपचार में प्रयुक्त होता है। रसायन विनिर्माण, तथा संसाधन, मछली पालन, धातु परिष्करण और भूतल की

सफाई, विरंजीकरण, धुलीचिंग और वस्त्र उद्योग में विशेष उपचार, निर्गन्धीकरण पदमोक्षण, टैनिंग, विश्लेषणात्मक रसायन शास्त्र में प्रतिकर्मक, जस्ता संसाधन तथा अनेक प्रक्रियाओं में शक्तिशाली आक्सीडाइजिंग एजेंट के रूप में इसका उपयोग किया जाता है। इसी उत्पाद का वर्गीकरण सीमाशुल्क टैरिफ कोड 28416001 (हार-मोनाइज्ड प्रणाली) के अन्तर्गत किया जाता है और यह खुले सामान्य बाजारों में श्रेणी के अन्तर्गत आता है।

घरेलू स्थिति

7. याचिका समसं यूनीवर्सल कैमिकल एंड इंडस्ट्रीज प्रा. (लि., 507, के. रंजेश सेंटर, 214 नरीमन प्वाइंट बम्बई-400021 के लिये तथा उनकी ओर मेदापर को गई जितका निर्माण कार्य अंबरनाथ, जिला थाणे तथा लोटे परशुराम, जिला रत्नागिरि महाराष्ट्र में होता है। याचिकाकर्ता भारत में पोटेशियम परमेगनेट के अधिकांश भाग का उत्पादन करता है और इस प्रकार सीमाशुल्क टैरिफ (इस की गई वस्तुओं पर शुल्क अथवा प्रतिरिक्त शुल्क की पहचान मूल्यांकन एवं वसूली और क्षति का निर्धारण (नियमावली, 1985 के नियम 2(ग) के अनुसार घरेलू उद्योग है।

सामान्य मूल्य

अ. याचिकाकर्ता ने चीन जनवादी गणराज्य में पोटेशियम परमेगनेट की घरेलू कीमतों से संबंधित जानकारी उपलब्ध करायी है। चूंकि किसी भी निर्यातक ने, उनको भेजी गई प्रस्तावली के उत्तर में, वास्तविक जानकारी नहीं दी थी इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिये कगों का संयोजन करने के बाद याचिकाकर्ता द्वारा दी गई घरेलू कीमत का प्रयोग किया गया था। दिनांक 24-2-1990 को हुई सार्वजनिक सुनवाई के अनुसरण में किये गये लिखित निवेदन में याचिकाकर्ता ने उल्लेख किया कि उनकी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार सामान्य मूल्य 915-950 डालर प्रति मी. टन था जबकि निर्यात मूल्य 550-600 डालर प्रति मी. टन था। तथापि, विनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने नोट किया कि याचिका में, जांच की अवधि के दौरान चीन में घरेलू कीमत 810 डालर प्रति मी. टन थी अतः सामान्य मूल्य के निर्धारण में इसी कीमत का प्रयोग किया गया था।

9. जांच तथा 30-5-95 को हुई सार्वजनिक सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने कहा कि चीन में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था है और घरेलू कीमत में लागत के सभी संघटक संभवतः शामिल न हों। उन्होंने कहा कि चीन जनवादी गणराज्य में उत्पादन की विनिर्मित लागत (जिसमें विश्वी-संवितरण व्यय तथा लाभ-मार्जन शामिल है) 1500 अमरीकी डालर प्रति मी. टन है तथा अन्य देशों में चीन मूल के पोटेशियम परमेगनेट का मूल्य 1470 अमरीकी डालर प्रति मी. टन से 1565 अमरीकी डालर प्रति मी. टन

तक है, अतः उन्होंने अनुरोध किया कि एंटी-डॉपिंग शुल्क/घरेलू उद्योग की क्षति का आंकलन करते समय इस पर उचित ध्यान दिया जाये। उपर्युक्त निवेदन प्रतियां चीन जनवादी गणराज्य के सभी ज्ञात निर्यातकों तथा आयातकों को उपलब्ध कराई गई और उस पर उनकी टिप्पणियां मांगी गई। एक आयातक को छोड़कर, जिसने पिछले तीन वर्षों के दौरान याचिकाकर्ता को उत्पाद की खरीद कीमत दी थी, किसी भी अन्य आयातक या निर्यातक ने अपनी टिप्पणियां नहीं दी।

10. विनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य की पद्धति को बदलने के लिये याचिकाकर्ता के अनुरोध पर विचार किया और उसे इस आधार पर रद्द कर दिया कि (क) यह विलंबित है या बाद में सोचा गया है और (ख) इसके सभी चरणों पर अन्य पार्टियों को पूरा अवसर नहीं मिला था।

निर्यात कीमत

11. जैसा कि डी.जी.सी. आई. एंड एस. कलकत्ता द्वारा संकलित, किया गया है, निर्यात कीमत का निर्धारण सीमानुल्लेख निकासी (वनीयरेंस) के प्रयोजन के लिये आयातकों द्वारा सूचित भारत औसत कीमत के आधार पर किया जिसे विश्वसनीय पाया गया है। जैसा कि डी.जी.सी.आई. एंड एस. कलकत्ता के आंकड़ों से पता चलता है, सीआई एफ निर्यात कीमत का समायोजन एफ ओ बी कीमत का निर्धारण करने के लिये बीमा तथा भाड़े को समायोजित किया गया। एफ बी ओ निर्यात कीमत को उपलब्ध सर्वोत्तम जानकारी के आधार पर एक्स वर्क कीमत के रूप में माना गया है।

तुलना

12. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच सही तुलना करने के प्रयोजन से तथा सीमानुल्लेख टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा नियम 14 सुपरा के अनुसरण में प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों, जिन्होंने अपनी ओर से अपेक्षित सूचना उपलब्ध कराने के लिये बहुत बड़ा अवसर दिया था, से कोई उत्तर नहीं मिलने पर अपने पास उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना को ध्यान में रखा। जांच की अवधि के दौरान प्राप्त भारत औसत निर्यात कीमत की तुलना सामान्य कीमत के साथ की गई है।

हानि

13. नियम 18 सुपरा के अन्तर्गत, हानि का पता लग जाने पर ऐसे निष्कर्षों में उन तथ्यों की जांच शामिल है, जिसे प्राधिकृत अधिकारी परिस्थितियों के अन्तर्गत प्रासंगिक समझता है, इसमें डम्प आयातों की मात्रा तथा समान उत्पादों के लिये घरेलू बाजार की कीमतों पर उनका प्रभाव तथा ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामस्वरूप पड़ने वाले प्रभाव शामिल हैं। कीमतों पर डम्प आयातों के प्रभाव पर विचार करते वक्त यह जांच करना आवश्यक माना जाता है कि

क्या भारत में किसी समान उत्पाद की कीमतों की तुलना में पारित आयातों द्वारा कीमत में पर्याप्त कमी हुई है, या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्य प्रकार से काफी हद तक कीमतों को कम करने का या कीमत वृद्धि को रोकने का है, जो कि काफी हद तक हुआ होता।

14. भारत में उद्योग पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच करने के लिये प्राधिकृत अधिकारी ने उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री स्टाक, लाभप्रदता तथा निवल बिक्री प्राप्ति के रूप में उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले तथ्यों पर विचार किया।

(क) डम्प आयात की मात्रा तथा बाजार में हिस्सा

15. सकल आयात में वृद्धि 1991-92 के 63 मी. टन से बढ़कर 1992-93 एवं 1993-94 में क्रमशः 114 एवं 469 मी. टन हो गई। चीन जनवादी गणराज्य (पीआर सी) से आयात में निर्बाध रूप में बढ़कर 1991-92 के शून्य आयात से बढ़कर 1992-93 में 73.5 मी. टन एवं 1993-94 में 405 मी. टन हो गया जिसके परिणामस्वरूप उनके बाजार हिस्से में जी से वृद्धि हुई जो 1991-92 के दौरान शून्य से बढ़कर 1992-93 में 8% और 1993-94 में 38.5% हो गया। चीन जनवादी गणराज्य से आयातों का भारत औसत मूल्य 1992-93 में कुल मिलाकर 21,850 रु. प्रति मी. टन के स्तर पर रहा और 1993-94 में मामूली रूप से बढ़कर 22,036 रु. प्रति मी. टन हो गया।

(ख) उत्पादन का रुख एवं क्षमता का उपयोग :

16. पोटेशियम परमेगनेट के उत्पादन में गिरावट का रुख रहा है चूंकि याचिका दायर करने वाली कंपनी का उत्पादन 1371 मी. टन (92-93) से लगातार गिरकर 993 मी. टन (93-94) एवं आगे 94-95 के प्रथम भाग में 479 मी. टन रह गया जिसके परिणामस्वरूप 1992-93 तथा 1994-95 के बीच उत्पादन में 30% की गिरावट हुई। इसके परिणामस्वरूप क्षमता का उपयोग 71% से घटकर 94-95 के पहले छह महीनों में करीब 50% रह गया।

(ग) बिक्री का रुख

17. घरेलू बाजार में याचिकाकर्ता की बिक्री भी 92-93 के दौरान 778 मी. टन से घटकर 93-94 में 581 मी. टन तथा 94-95 के पहले छह महीनों में 309 मी. टन रह गयी जिसके परिणामस्वरूप 92-93 की तुलना में 94-95 में बिक्री की मात्रा में 200% से ज्यादा की गिरावट हुई।

(घ) मूल्य का रुख

18. पोटेशियम परमेगनेट की बिक्री में याचिकाकर्ता को होने वाली औसत उगाही (राजस्व कर को छोड़कर) 51,586 रु. मी. टन (1992-93) से घटकर 1994-95 (प्रथम भाग) में 50,549 रु. मी. टन रह गई यद्यपि

1993-94 में यह थोड़ा सा ज्यादा (रु. 52778 मी. टन) थी।

(इ) स्टॉक का रुख

19. इस उत्पाद के स्टॉक में काफी तेजी से वृद्धि हुई है जो अप्रैल 93 के 68 मी. टन से बढ़कर दिसम्बर 93 में 146 मी. टन हो गई। तथापि, मासिक रूप के अध्ययन से यह पता चला है कि स्टॉक के स्तर पर विश्वी मूल्य के कारण कुल मिलाकर विपरीत प्रभाव पड़ा तथा बिक्री मूल्य के घटने के साथ-साथ याचिकाकर्ता द्वारा और ज्यादा निर्यात करने के कारण सितम्बर 94 में स्टॉक घटकर 77 मी. टन हो गया था।

(च) लाभप्रदता का रुख

20. याचिकाकर्ता को 92-93 में 0.75 लाख रुपए का घाटा हुआ जो 1993-94 में काफी बढ़कर 39.95 लाख रु. तथा 1994-95 के पहले छह महीनों और 23 लाख रु. का हो गया।

21. औसत मूल्य में मामूली गिरावट हुई जो 1993-94 में 52778 रुपया प्रति मी. टन से घटकर 50,549 रु. प्रति मी. टन हो गई। चीन के निर्यात कीमतों से औसत कीमतों पर प्रभाव पड़ा। ऐसा नहीं होता तो लागत में वृद्धि को पूरा करने के लिए मूल्य बढ़े होते।

(छ) क्षति का निष्कर्ष

22. चीन जनवादी गणराज्य से आयातों की मात्रा तथा तदुपरान्त भारतीय बाजार में इसके हिस्से में काफी वृद्धि हुई है। याचिका दायर करने वाली कंपनी के उत्पादन क्षमता का उपयोग तथा बिक्री में गिरावट हुई है तथा जांच की अवधि के दौरान सम्पत्ति सूची में वृद्धि हुई है। प्राधिकृत अधिकारी ने पाया कि घरेलू उत्पादन को अपनी बिक्री कीमत कम करनी पड़ी तथा उन्हें उस कीमत पर बिक्री करने से रोका गया जिस पर उनकी लागत पूरी हो जाती तथा यथोचित लाभ मिलता।

23. इस प्रकार प्राधिकृत अधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि घरेलू उद्योग को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

कारण संबंधी कड़ी

24. डम्प आयातों के द्वारा घरेलू उद्योग को आर्थिक हानि हुई या नहीं, इसका निर्धारण करते समय अधिकारी ने निम्नांकित तथ्यों को ध्यान में रखा :—

- (i) चीन जनवादी गणराज्य से उत्पाद के आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। इसके सीधे परिणामा रूप में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 1992-93 के 87% से घटकर 1993-94 में 55% रह गया। सकल आयात में चीन का हिस्सा 65% से बढ़कर 86% हो गया है।

- (ii) डम्प आयातों में वृद्धि से कम बिक्री, उत्पादन क्षमता का उपयोग तथा पर्याप्त सम्पत्ति सूची में गिरावट आई।

- (iii) इन आयातों से घरेलू उद्योग को कीमतों पर सीधा प्रभाव पड़ा जिसे उत्पादन की लागत से कम कीमत पर बिक्री करनी पड़ी जिसके परिणाम-स्वरूप घरेलू उद्योग को घाटा हुआ।

भारतीय उद्योग का हित

25. सामान्य रूप से प्रतिपादन शुल्कों का उद्देश्य डम्पिंग को समाप्त करना है, जो कि भारतीय उद्योग को हानि पहुँचा रहा है तथा भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा को पुनः स्थापित करना है जो कि देश के सामान्य हित में हैं।

26. अधिकारी ने इस बात को माना कि प्रतिपादन शुल्क को लगाए जाने से पोटेशियम परमेगनेट का उपयोग से विनिर्मित उत्पादों की कीमतें प्रभावित हो सकती हैं और तदुपरान्त इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धा पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, प्रतिपादन उपायों के द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं होगी, विशेषकर तब जब प्रतिपादन शुल्क का लगाया जाना इस हानि की पूर्ति के लिए आवश्यक राशि तक सीमित हो। इसके विपरीत, डम्पिंग के जरिए प्राप्त अनुचित लाभों को हटाने का उद्देश्य भारतीय उद्योग में गिरावट को रोकना है तथा इस प्रकार उपभोक्ताओं को अत्यन्त विस्तृत चुनाव की उपलब्धता को बनाए रखने में सहायता करता है। इस प्रकार, यद्यपि याचिकाकर्ता के पास भारत में अवास्तविक एकाधिकार है, तथापि सुझाए गए शुल्क सिर्फ हानि को रोकने के लिए पर्याप्त है और वे उसे कोई लाभ नहीं देते।

जांच परिणाम

27. तदनुसार, अधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि :

- (1) चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों ने भारत में सामान्य से कम मूल्य पर पोटेशियम परमेगनेट बेचा है।
- (2) भारतीय उद्योग को भौतिक क्षति हुई है ;
- (3) इन आयातों से भारतीय उद्योग को आर्थिक हानि हुई।

28. अधिकारी का यह विचार है कि इस मामले में प्रतिपादन उपायों को लागू किए जाने से डम्पिंग की कीमतों के हानिकारक प्रभावों को समाप्त करके उचित प्रतिस्पर्धा की पुनर्स्थापना होगी।

29. अधिकारी इस बात को आवश्यक समझता है कि घरेलू उद्योग की आर्थिक हानि को दूर करने के लिए अन्तिम प्रतिपादन शुल्क लगाया जाए। निर्यात कीमत सामान्य मूल्य

तथा इस मामले में डम्पिंग की सीमा का निर्धारण प्राधिकृत अधिकारी द्वारा निम्नानुसार किया गया :

	अमरीकी डालर/ र./मी. टन	मी. टन
सामान्य मूल्य	810	25,410
निर्यात कीमत (एफओबी)	619	19,418
पाटन की सीमा	191	5,992

30 अधिकारी ने इस बात पर विचार किया कि क्या पाटन सीमा से कम का शुल्क लगाया जाना इस हानि को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा। चीन के आयातों की माल उतरते समय की औसत कीमत की तुलना जांच की अवधि के दौरान उत्पादित पोटेशियम परमैंगनेट की उचित बिक्री कीमत से की गई। इस उचित बिक्री कीमत में समय समय पर उपलब्ध वास्तविक कच्चे पदार्थ के मूल्य पर विचार किया तथा इस प्रकार पैरा 3 (सी) में उठाए गए मुद्दे का उत्तर देता है। यह अंतर पाटन की सीमा से ज्यादा था और तदनुसार अधिकारी का मुद्दाव है कि सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 28 के अन्तर्गत आने वाले चीन जनवादी गणराज्य मूल के पोटेशियम परमैंगनेट के आयात पर रु. 5992 (पांच हजार नौ सौ बानबे रु.) प्रति मी. टन की पाट सीमा के बराबर प्रतिपाटन शुल्क लगाया जाए।

वाई बी. रेड्डी, प्राधिकृत अधिकारी एवं अवसर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th July, 1995

Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Potassium Permanganate originating from the People's Republic of China—final findings.

No. 46/ADD/94.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1982 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and collection of Duty or Additional duty on dumped articles and for Determination of Injury) Rules, 1985, thereof.

PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed :

- (i) The Designated Authority, under the above Rules, received a written petition from M/s. Universal Chemicals and Industries Pvt. Ltd., 507, Raheja Centre 214, Nariman Point, Bombay-400 021, dated 25-11-94 alleging dumping of Potassium Permanganate originating from the People's Republic of China;

- (ii) The Designated Authority issued a Public Notice dated 30-12-1994 published in the Gazette of India, Extraordinary initiating anti-dumping proceedings concerning imports of Potassium Permanganate classified under heading 2841.60 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 and No. 2841.60.01 under India Trade classification (Based on Harmonised Commodity Description and Coding System) originating from the People's Republic of China.

- (iii) The Designated Authority officially informed the exporters and importers known to be concerned, the representatives of the exporting country and the complainant about the said initiation and gave them an opportunity to make their views known in writing and to request an oral hearing, within 40 days from the date of notification i.e. by 8th February, 1995.

- (iv) The Designated Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the following exporters :

(a) M/s China National Chemicals Import & Export Corporation, Beijing, China.

(b) M/s Gunga Dong Chemicals & Import and Export Corporation, Guangzhou, China.

- (v) The Embassy of the People's Republic of China in New Delhi was also informed on 2nd January 1995 about the initiation of investigation and was requested to advise the exporters/producers from People's Republic of China to respond to the questionnaire by 11th February, 95. The exporters neither responded to the questionnaire nor attended the public hearing held on 24th February, 1995.

- (vi) The questionnaire was also sent to the following importers of Potassium Permanganate :—

M/s.

(a) Ajay Metachem Pvt. Ltd., Pune.

(b) Armour Chemicals Ltd., Bombay.

(c) Ansar and Company, Bombay.

(d) CSC Corporation, Bombay.

(e) U.S. Vitamins Ltd., Bombay.

(f) Sparkling Traders Pvt. Ltd., Bombay.

(g) Jetsons, Thane.

(h) Supreme India International, Bombay.

(vii) While one of the importer to whom questionnaire was sent has reported no imports of Potassium Permanganate during the investigation period, another has acknowledged receipt of the Notification/questionnaire. However, none of the importers nor any exporter have responded in the prescribed questionnaire sent to them alongwith the notice of initiation.

- (viii) An opportunity was also given to exporters, importers and petitioners to express their views in a public hearing held on 24th Feb. 1995. The said Public hearing was attended by the representatives of the petitioner domestic industry and one of the importer, M/s Sparkling Traders (P) Ltd., Bombay.
- (ix) The submissions made in public hearing of 24th February, 1995 were obtained in writing and made available to other party for their comments.
- (x) The Authority has given another opportunity to exporters, importers and petitioners to express their views in a public hearing held on 30-5-1995 by a newly Designated Authority. None of the exporters and importers availed the opportunity and only petitioner domestic industry attended the meeting.
- (xi) The written submissions made by the petitioner in public hearing held on 30-5-1995 were made available to the other parties.
- (xii) The Designated Authority sought and verified information deemed necessary and to this end an investigation was carried out at the premises of M/s Universal Chemical and Industries Pvt. Ltd. The investigation covered the period from 1st April, 1993 to 30th September, 1994.

PETITIONER'S VIEWS

2. The petitioner highlighted the following points during the hearings :

- (a) That the export price of Potassium Permanganate originating from the People's Republic of China was below the price at which it was being sold in the domestic market in China and export price to third countries.
- (b) That there has been steep increase in the quantum of imports into India of Potassium Permanganate from the People's Republic of China;

(c) That imports from China at dumped prices has been causing material injury to the Indian producer and the Indian producer had to reduce production/capacity utilisation. Domestic sales reduced despite reduction in selling price below their cost of production causing negative cash flow and heavy losses.

RESPONDENT'S VIEW

3. The views expressed by the importer, who appears to be a trader, at the public hearing held on 24-2-1995 as contained in their written submissions sent after the hearing were briefly as follows :

- (a) The petitioner is a monopoly manufacturer of Potassium Permanganate with almost 96 per cent of market share in their hands.
- (b) The price of the major raw material Caustic Potash had increased exorbitantly. This exorbitant increase was responsible for the major part of the loss.
- (c) That the price of caustic potash had changed from Rs. 20,000 per MT in 1991 to Rs. 44,292 in April 1993. The price then fell to Rs. 37,000 in August 1994 and to Rs. 28,900 in February 1995. Despite this decrease, the price of Potassium Permanganate was increased from Rs. 64,000 per MT in January 1994 to Rs. 70,000 PMT in February 1995 and hence the claim of injury due to imports was not justified.

EXAMINATION BY AUTHORITY

4. The above submissions have been kept in view while evaluating the injury aspect as narrated at the appropriate places.

5. In the absence of any response from the exporters, the Designated Authority has made the findings on the basis of the information available to it as per Rule 14 supra. The Designated Authority noted that neither the representative of the exporter/exporting country i.e. People's Republic of China was present at the hearing, nor did they respond to the questionnaire and the Designated Authority had resorted to the best information available i.e. the acts/figures supplied by the petitioner;

Product under consideration

6. Potassium Permanganate (an organic chemical) is a dark purple crystalline material and is a compound of Manganese, Potassium and Oxygen. It is available in Technical grade (97 per cent purity) and Pure grade (99 per cent

purity). It is used for potable and waste water treatment, chemical manufacture and processing, aqua-culture metal refining and surface cleaning, decolourisation, bleaching and special treatment in textile industry, deodorisation fumigation, tanning, reagent in analytical chemistry, zinc processing and as a powerful oxidising agent in many process. The product is classified under Customs Tariff code 28416001 (Harmonised system), and falls under open general licence category.

Domestic Status

7. The petition has been filed for and on behalf of M/s Universal Chemicals and Industries (P) Ltd., 507, Raheja Centre, Nariman Point, Bombay-400021 having works at Ambernath, District Thane and Lote Parshuram Dist. Ratnagiri, Maharashtra. The petitioner accounts for a majority of production of Potassium Permanganate in India and hence satisfies the domestic industry status in accordance with Rule 2(c) of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or additional duty on dumped articles and for Determination of Injury) Rules, 1985. Some other companies also manufacture Potassium Permanganate in India in insignificant quantities.

Normal Value

8. The petitioner has provided information on domestic prices of Potassium Permanganate in People's Republic of China. Since none of the exporters furnished factual information in response to the questionnaire sent to them, the domestic price reported by petitioner after adjusting for taxes has been used for the purpose of determination of Normal Value. In the written submission made in pursuance of the Public Hearing held on 24-2-95, the petitioner has highlighted that the Normal Value according to their best knowledge, was around \$ 915-950 PMT whereas the Export price was about \$ 550-6000 PMT. However, the Designated Authority noted that in the petition, the domestic price in China during the period of investigation was given as \$ 810 and hence the same was used in the determination.

9. During the course of investigation and formally in public hearing held on 30-5-95, the petitioner stated that China is a non-market economy and domestic price may not have included all the constituents of the cost. They have submitted that he constructed cost of production (selling/distribution expenses and profit margin) of these product in PR of China works out to USD 1500 per metric tonne and the prices of Chinese origin Potassium Permanganate in other countries ranges from USD 1470 to USD 1565 per metric

tonne and therefore, requested to give due consideration while calculating anti dumping duty/injury to domestic industry. Copies of the above submission were provided to each of the known importers and exporters in PR of China eliciting their comments. Except for one importer who has provided purchase price of the product from petitioner during the last three years, none of other importers nor any exporter submitted their comments.

10. The Authority considered the request of the petitioner for changing the method of normal value and rejected on the grounds that (a) it is belated or an after thought and (b) full opportunity at all stages of this was not available to other parties urged.

Export Price

11. The export price has been determined on the basis of the weighted average price reported by the importers for the purpose of Custom clearances, as compiled by DGCIS Calcutta which has been found to be reliable. The CIF export price as appearing in DGCIS Statistics have been adjusted for insurance and freight for working out the F.O.B. price. The FOB export price has been treated as ex-works price based on the best information available.

Comparison

12. For the purpose of a fair comparison between the normal value and export price and in accordance with Section 9(A) (2) of the Customs Tariff Act, 1975 and Rule 14 supra, the Authority took into account the best available information with it in the absence of any response from the exporters in the People's Republic of China, who were given ample opportunity to make available the relevant information from their end. The weighted average export price obtained during the period of investigation has been compared with the Normal price.

Injury

13. Under Rule 18 supra, when a finding of injury is arrived at, "such finding shall involve an examination of facts which the Designated Authority considers relevant under the circumstances including the volume of dumped imports and their effect on price in the domestic market for like products and the consequent impact of such imports on domestic producers of such products". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of an identical product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases,

which otherwise would have occurred, to a significant degree.

14. For the examination of the impact on the industry in India, the Designated Authority considered such indices having a bearing on the state of industry as production, capacity utilisation, sales, stock, profitability and net sales realisation.

(a) Volume and Market Share of Dumped Import

15. Total imports increased from 63 MT in 1991-92 to 114 and 469 MTs respectively in 1992-93 and 1993-94. Imports from People's Republic of China (PRC) have steeply increased in absolute terms from nil imports in 1991-92 to 73.5 MT in 1992-93 to 405 MT in 1993-94, resulting in sharp increase in their market share from nil in 1991-92 to 8 per cent in 1992-93 to 38.5 per cent in 1993-94. The weighted average price of imports from PRC remained by and large at the level of Rs. 21,850 pmt in 1992-93 and increased marginally to Rs. 22,036 pmt in 1993-94.

(b) Production Trend and Capacity Utilisation :

16. There has been downward trend in the production of Potassium Permanganate as the production of the petitioner company, declined constantly from 1371 MT (92-93) to 993 MT (93-94) and further to 479 during the first half of 94-95 resulting in around 30 per cent decline in the production between 1992-93 and 1994-95. Consequently the capacity utilisation declined from 71 per cent to about 50 per cent in the first six months of 94-95.

(c) Sales Trend

17. Sales of the petitioner in the domestic market have also declined from 778 MT in 92-93 to 581 MT in 93-94 and 309 MT in the first six months of 94-95 resulting in decline of volume of sales by more than 20 per cent in 94-95 as compared to 92-93.

(d) Price Trend

18. Average realisation (exclusive of Excise Duty) from sales of potassium permanganate to the petitioner has decreased from Rs. 51,586 MT (1992-93) to Rs. 50,549 MT in 1994-95 (first half) though it was slightly higher in 1993-94 (Rs. 52778 MT).

(e) Stock Trend

19. Stock of the product has increased steeply from 68 MT in April 93 to 146 MT in December 93. However, the study of monthly trend indicated that the stock level by and large was inversely affected by the sales price and the stock had decreased to 77 MT in September 94 due to lowering of the sales price coupled with higher export by the petitioner.

19 64GI\95-2

(f) Profitability Trend

20. The petitioner suffered losses of Rs. 0.75 lakhs in 92-93 which increased considerably to Rs. 39.95 lakhs in 1993-94 and further to Rs. 23.00 lakhs in the first six months in 1994-95.

21. The average price has fallen marginally from Rs. 52778 per MT in 1993-94 to Rs. 50,549 per MT. The average price was suppressed by the Export prices from China but for which the prices would have increased to cover the increase in costs.

(g) Conclusion on Injury

22. The quantum of imports from Peoples Republic of China and consequently its share in Indian market have increased substantially. Production, capacity utilisation and sales of the petitioner company have declined and inventory increased during investigation period. The Designated Authority found that the domestic producer has to reduce its selling price and were prevented from selling at a price level which could cover its cost of production and allow reasonable profit.

23. The Designated Authority is, thus, led to the conclusion that the domestic industry is suffering material injury.

Casual Link

24. In determining whether material injury to the domestic industry was caused by the dumped imports, the Authority took into account the following facts :

(i) The imports of the product from PRC have increased significantly. As a direct consequence, the domestic industry has lost market share from 87 per cent in 1992-93 to 55 per cent in 1993-94. The share of China in the total imports have also increased from 65 per cent to 86 per cent.

(ii) Increase in dumped imports have led to lower sales, production, capacity utilisation and substantial inventory.

(iii) The imports had a direct effect on the prices of the domestic industry which had to sell at a level below its cost of production resulting in losses to the domestic industry.

Indian Industry's Interest

25. The purpose of anti dumping duties is in general to eliminate dumping which is causing injury to the Indian industry and to re-establish the situation of open and fair competition on the Indian market which is in the general interest of the country.

26. The Authority recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using Potassium Permanganate and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures particularly if the levy of the anti dumping duty is limited to the amount necessary to redress the injury. On the contrary, the removal of the unfair advantages gained by dumping practices is designed to prevent the decline of the Indian Industry and thus to help maintain the availability of the widest choice to the consumers. Thus, even though the petitioner has a virtual monopoly in India, the duty recommended is just sufficient to prevent the injury and not to give him an edge.

Findings

27. The Authority, accordingly, has come to conclusion that :

- (i) Exporters from the Peoples Republic of China have sold Potassium Permanganate in India below normal value;
- (ii) the Indian industry has suffered material injury;
- (iii) the imports caused material injury to Indian industry;

28. The Authority considers that the imposition of anti dumping measures in the present case will re-establish fair competition by eliminating the injurious effects of dumped prices.

29. The Authority considers it necessary, to impose a final anti dumping duty in order to remove the material injury to the domestic industry. The export price, normal value and the margin of dumping in this case were determined by the Designated Authority as :

	USD/MT	Rs./MT
Normal value	810	25,410
Export Price (fob)	619	19,418
Margin of Dumping	191	5,992

30. The Authority considered whether a duty lower than the dumping margin would be enough to remove the injury. The average landed price of the Chinese imports was compared with the fair selling price of Potassium Permanganate produced during the period of investigation. This Fair Selling Price took into account the actual raw-material prices available from time to time and hence answers the point raised in para 3(c). This difference was more than the dumping margin and accordingly the Authority recommends that an anti dumping duty equal to the margin of dumping of Rs. 5,992 (Rupees five thousand nine hundred ninety two per MT be imposed on imports of Potassium Permanganate originating from the Peoples Republic of China falling under Chapter 28 of the Custom Tariff.

Y. V. REDDY, Designated Authority.

and
Addl. Secy.